

(1)

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

- * रेती की सर्वाधिक प्राचीन प्रणाली है? - **उत्तम कृषि**
- * मनुष्य के लिए सर्वाधिक कार्बन समताप्रमाण है - 25°C तापमान
- * मनुष्य के लिए सर्वाधिक कार्बन समता आवश्यक है - 60% आईता
- * धारणीय व स्थायी विकास की अवधारणा का सर्वप्रथम प्रतिपादन किया - **बुंदेलखण्ड**
- * धारणीय विकास संबंध रखता है - **नवनियतिवादी अवधारणा से**
- * सत्रू/स्थायी विकास शब्द का सर्वप्रथम उपयोग किया - **IUCN** ने।
- * पर्यावरणीय निश्चय बाद के प्रतिपादक थे - **काल रिटर**
- * पर्यावरणीय पारिस्थितिकी तंत्र में एक टिकाऊ जैव समूह कहलाता है - **संक्रमण (इकोटोन)**
- * धारणीय विकास की इडिट से विभूत उत्पादन का सबसे अच्छा स्रोत है - **जल विभूत**
- * 'इकोलॉजी' शब्द का सर्वप्रथम उपयोग किया था - **आर्नस्ट हेकल**
- * एन्जाइम क्रियाशीलता का सर्वोत्तम ताप है - $25^{\circ}-35^{\circ}\text{C}$
- * बनस्पतियों के सड़ने से कोनसी ऐसा निकलती है - **भीथेन**
- * पौधों के सभी पोषक तत्वों से भुक्त कार्बनिक पदार्थ है - **ह्यूमस**
- * भारत में भवनालिका अस्ट्रेंस अपरदन से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र - **मालवा पठार**
- * भारत में सर्वाधिक भवनालिका अपरदन करने वाली नदी - **चम्बल नदी**
- * सर्वाधिक कार्बनिक पदार्थ याए जाते हैं - **पीट मृदा में**
- * क्लोरोफिल नियन्त्रिके लिए आवश्यक तत्व है - **मेंगनीशियम** *Raj Holkar*
- * वाष्पोत्सर्जन क्रिया के लिए आवश्यक तत्व है - **पोटेशियम**
- * जलाकांत मृदा में किस प्रकार की वनस्पति मिलती है - **मेंग्रोव**
- * पौधों पर पड़ने वाले सूर्य प्रकाश का - अवशोषण (83%), परावर्तन (12%) एवं पारात (Transmittal), Humidity, Fog (5%)
- * पौधों द्वारा अवशोषित किए गए प्रकाश (83%) का केवल 4% भाग प्रकाश के संश्लेषण में काम आता है जबकि 79% भाग वातावरण में विसरित हो जाता है।
- * प्रकाश संश्लेषण में - **विकिरण छर्जी का रासायनिक छर्जी में परिवर्तन होता है**
- * प्रकाश संश्लेषण में सहायक रंगों के आधार पर प्रकाश - लाल एवं नीला
- * वाष्पोत्सर्जन में रंगों का युलना एवं बंद होना नियंत्रित करता है - **प्रकाश पर**
- * कीट भसी पौधों हैं - **युद्धिकुलेरिया, नेपेंथिस, डायोनिया, डीसेरा**

(2)

- * प्रकाश ड्यूरा पोधों में निर्माण होता है - विटामिन - A एवं केरोटीन
- * प्रकाश ड्यूरा पोधों के किस हार्मोन को नियंत्रित किया जाता है - ऑक्सिन
- * दीर्घ दीप्तिकाली (Long Day Plants) हैं - पालक, गेहूँ, जौ इत्यादि।
- * अल्प दीप्तिकाली (Short Day Plants) हैं - सोयाबीन, जेनिथियम etc.
- * प्रकाश उदासीन पोधे हैं - ट्रामाटर, मिर्च, सूरजमुखी, कपास etc.
- * प्रकाश संश्लेषण किया में जल का - ~~होते~~ ऑक्सीकरण होता है।
- * नाइट्रोजन का उपयोग कर पोधे - प्रोटीन संश्लेषण एवं न्युक्लिक अम्ल का निर्माण करते हैं।

\Rightarrow मृदा संगठन :-

हायुमस तथा कार्बनिक पदार्थ - 5-10%.

खनिज पदार्थ - 40-45%.

मृदा जल - लगभग 25%.

मृदा - वाष्प - लगभग 25%.

Raj Holkar

- * उष्ण कटिकंधीय मृदा (Tropical Soil) में कार्बनिक पदार्थों की मात्रा - कम
- * मृदा जीव हैं - जीवाणु, कवक, शेवाल, केंचुआ, धोंधा, मेंढक, कीड़े आदि
- * किसान का भिज कहा जाता है - सर्व एवं केंचुआ
- * अम्लीय मृदा का pH मान - 7.0 से कम] उदासीन मृदा pH - 7.0
- * शारीय मृदा का pH मान - 7.0 से अधिक] उदासीन मृदा pH - 7.0
- * धूनाथुक्त मृदा में उगने वाले पोधे - केल्सी कोल्स

\Rightarrow परजीवी पोधे :-

अमरबेल, लोरेंथस, ओरोबैका, बेलेनोफोरा, ऐफ्लेशिया

पूर्ण भूल परजीवी - ओरोबैकी

आंशिक भूल परजीवी - चन्दन

पूर्ण रस्तंभ परजीवी - अमरबेल

आंशिक रस्तंभ परजीवी - लोरेंथस एवं विस्कम

⇒ सहजीवी पोथे - लाइकेन एवं नाइट्रोकार्बन जीवाणु

लाइकेन = कवक + शैवाल

⇒ मृतोपजीवी पोथे - इस्ट, म्यूकर, राइजोपस, पेनीसिलिथम, कुकुरमुत्ता, मोनोडोणा, नियोटिटया आदि।

- * कीटभक्षी पोथे उन स्पानों पर होते हैं जहाँ - नाइट्रोजन की कमी होती है,
- * पारिस्थितिकी निके (Niche) शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम - ग्रीनेल्स ने किया
- * पारितंत्र (Ecosystem) शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग - ए.जी.टैंसले ने किया
- * सभी उपभोक्ता और प्रोड्यूसर गुण पाया जाता है - परपोली गुण
- * जीवीय एवं अजीवीय घटकों में संबंध स्थापित करते हैं - अपघटक
- * ज्वाध शून्यला में क्षर का प्रवाह होता है - एकदिशीय
- * पारिस्थितिकी तंत्र में क्षर मापने की इकाई है - अष्मा

⇒ उत्पादक (Producers) :-

- * सभी हरे पोथे, फाइटोप्लैक्टन शामिल *
- * ये स्वपोषी होते हैं,

Raj Holkar

⇒ उपभोक्ता (Consumers) :-

- * अपना भोजन उत्पादक अथवा उपभोक्ता द्वारा से प्राप्त करते हैं,
- * सभी उपभोक्ता परपोली होते हैं।
- * शाकाहारी, मांसाहारी एवं सर्वाहारी प्रकार के होते हैं।

(a) प्रथम श्रेणी उपभोक्ता :-

- * अपना भोजन उपभोक्ता द्वारा (पोथों) से प्राप्त करते हैं,
- * ये शाकाहारी होते हैं। * गाय, बकरी, हिरण, खरगोश, घोड़ा, टिक्का

(b) द्वितीय श्रेणी उपभोक्ता :-

- * ये अपना भोजन प्रथम श्रेणी उपभोक्ता द्वारा (शाकाहारियों) से प्राप्त करते हैं।
- * ये मांसाहारी होते हैं। मेंटक, बिल्ली, चैटिया

(c) तृतीय श्रेणी उपभोक्ता :-

- * ये द्वितीय श्रेणी के उपभोक्ता द्वारा (मांसाहारियों) से अपना भोजन प्राप्त करते हैं। इसमें मांसाहारी एवं सर्वाहारी होते हैं शेर, चीता, इत्यादि,

(d) अपघटनकर्ता :- ये जटिल कार्बनिक पदार्थों का अपघटन करते हैं,

- * ये उत्पादक एवं उपभोक्ता द्वारा के मृतशरीर का अपघटन करते हैं,
- * इन्हें प्रकृति का मेहनत कहा जाता है - कवक एवं जीवाणु

- * प्रत्येक पोषण तब पर कितने प्रतिशत ऊर्जा जैवीय क्रियाओं में उपयोग करती जाती है? - ७०% केवल १०% ऊर्जा अंगूले पोषण स्तर में जाती है।
- * अमोनिया के नाइट्रोजन एवं नाइट्रोएट में रूपान्तरण की प्रक्रिया कहलाती - नाइट्रोफिल
- * पारिस्थितिकी तंत्र में ऊर्जा का १०% नियम दिशाथा - लिंडेमान ने।
- * समस्त पृथकी की शुद्ध प्राथमिक उत्पादकता कितनी है? - ३२०९० (शुद्ध आर) प्रति वर्ग मीटर प्रति वर्ष
- * सामान्य रूप से भूमध्य रेखा से धुकों की ओर जाने पर प्राथमिक उत्पादकता पर क्या प्रभाव पड़ता है? - कम होती जाती है।

⇒ पारिस्थितिकी पिरामिडेसः-

i) जीवआर का पिरामिडः :- [३ल्टा] एवं [सीधा] दोनों।

- * यह उत्पादकों एवं उपभोक्ताओं के आर के संबंध को दर्शाता है।
- * आधार में उत्पादकों का आर, शीर्ष पर उपभोक्ताओं का आर।
- * वन एवं घास स्थल का पिरामिड - सीधा
- * तालाब के पारितंत्र का पिरामिड - ३ल्टा

Raj Holkar

ii) जीव संख्या का पिरामिडः :- [३ल्टा] एवं [सीधा] दोनों।

- * उत्पादकों एवं उपभोक्ताओं की संख्या के संबंध को दर्शाता है।
- * आधार में उत्पादकों की संख्या, शीर्ष पर उपभोक्ताओं की संख्या
- * घास स्थल एवं फसल स्थल का पिरामिड - सीधा
- * पेड़ के पारितंत्र का पिरामिड - ३ल्टा

iii) संचित ऊर्जा का पिरामिडः :-

- * पारितंत्र के विभिन्न पोषण स्तरों के जीवधारियों द्वारा उपयोग में लायी जा रही ऊर्जा की संपूर्ण भाग का बोध कराता है।
- * ऊर्जा पिरामिड स्टेप सीधा बनता है।
- * पर्यावरण में ऊर्जा का उपयोग स्टेप एक दिशीय होता है।
- * विश्व में सर्वाधिक नेट प्राथमिक उत्पादकता कहे जाते हैं - ३ल्टा करि।

वर्षविन

* विश्व के सम्पूर्ण क्षेत्रफल का नेट धार्थमिक उत्पादन कितना है ? 155.2×10^9
 टन प्रतिवर्ष।

- * मरुस्थल में उजने वाले पौधे कहलाते हैं - जीरोफाइट्स
- * पौधे किस प्रकार का जल अवशोषित करते हैं - कैरिका जल
- * मृदा में उपस्थित अपस्थित होने वाला कार्बनिक पदार्थ है - ह्यूमस
- * पारितंत्र का गतिक हृदय कहलाता है - अज्ञप्रवाह एवं भू-जैव रासायनिक चक्र
- * जीवों के खाध स्वभाव में जितनी विविधता होगी, खाधशृंखला उतनी ही - अधिकलंबी होगी
- * पारितंत्र में अज्ञ का प्राथमिक स्रोत है - सूर्य का प्रकाश
- * जैव मण्डल में एक ही जाति की संख्या को कहते हैं - जनसंख्या
- * एक से अधिक जातियों का समूह जो एक इयान पर रहता है कहलाता है - जैव समुदाय
- * प्रकृति में अज्ञ का मुख्य स्रोत है - सूर्य
- * दो पारिस्थितिकी तंत्रों के मध्य के संक्षमण क्षेत्र को कहते हैं - इकोटोन
- * एक आहार शृंखला में कितनी कड़ियां होती हैं - चार
- * मृदा में उपस्थित जल की कुल मात्रा को कहते हैं - होलार्ड Raj Holkar
- * सर्वाधिक स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र है - महासागर
- * अंतर्राष्ट्रीय अम्लवर्षा लुचना केन्द्र स्थापित किया गया है - ओस्लो में
- * अंतर्राष्ट्रीय अम्लवर्षा लुचना केन्द्र स्थापित किया गया है - सुन्तरवन में।
- * भारत में मैंगोव वनस्पति सर्वाधिक विस्तृत है - सुन्तरवन में।
- * कौनसा पारिस्थितिकी तंत्र घृथी पर सर्वाधिक क्षेत्र में फैला है - सामुद्रिक
- * भूगोल को मानव यारिस्थितिकी के रूप में परिभाषित किया - हॉरलॉन बैरोज
- * पारिस्थितिकी तंत्र में होता है - अज्ञ का लाभ एवं जनजीवों की हानि

⇒ पारिस्थितिकीय उत्पादकता का क्रम (घटते क्रम में) :-

उच्छ कटि. वर्षा वन (सर्वाधिक) > अवारनदमुख > शिलों कटि. वन > सवाना क्षेत्र > कृषिक्षेत्र > धास स्थल > टुण्ड्रा एवं अल्पाइन सबसे कम उत्पादकता होती है - रोमिस्तानी क्षेत्र की।

⇒ नाइट्रोजन स्थिरीकारक जीवाणु :-

क्लॉरिस्ट्रीडियम, एजोबैक्टर, क्लेबसिएला, क्लोरोबियम, राइनोस्पाइलस

⇒ नाइट्रोजन स्थिरीकारक जोगल :-

नॉर्ट्सॉक, एनाकीग, ऑलोसिरा, उलीयोद्वाकिया, क्लोधिमा, रिकुलेरिया

(6)

- * वर्जों में 'लु बेकी सिण्ड्राम' नामक रोग होता है - नाइट्रोट की अधिकता
- * पौधों की जड़ों द्वारा फार्फोरस किस रूप में ग्रहण किया जाता है - आथोफारसेट
- * वह योषक चक्र जो पत्थरों के अपसय से प्रशावित होता है - फार्फोरस चक्र
- * वह पोष्ट चक्र जो सूर्य के प्रकाश से सीधे प्रशावित होता है - कार्बन चक्र
- * पारिस्थितिक तंत्र में अवयवों के चक्रण को कहा जाता है - ऐव भूरासायनिक चक्र
- * छ: जॉबिक जैविक तत्व हैं - C, H, O, N, S, P
- * उपचौक्ता रूपर पर संग्रहित जल की कहते हैं - हितीय उत्पादकता
- * पारिस्थितिक अनुक्रमण का सर्वप्रथम अध्ययन किया - हुल्ट डारा
- * वह प्रजाति जिसका प्रभाव पारिस्थितिक तंत्र या समुदाय पर कांतिकारी व प्रभावकारी होता है - की स्टोन प्रजाति।
- * नाइट्रोजन स्थिरीकरण करने वाले नौ स्टॉक और एनाकीना जैसे नील-हरित शैवाल पाए जाते हैं - साइक्स की प्रवालाम जड़ों में, एन्थोसिरोस के थैलेस में एवं ऐजोला में, धान के खेतों में। Raj Holkar
- * अधिकतम प्रकाश संस्तैषण होता है - डायएटम और डायनोफ्लैजिलेट्स में
- * जैविक साम्यता स्थापित होती है - उत्पादक, उपचौक्ता एवं अपघटक डारा
- * स्पृष्टि प्रभाव डालती है - आबादी धनत्व, उत्पादनक्षमता एवं समुदाय विकास पर

⇒ वायु प्रदूषण:-

- * वायु मॉडल में ऐसों का अनुपात - नाइट्रोजन (78.08%), ऑक्सीजन (20.94%), आँगनि (0.93%), कार्बन डाई ऑक्साइड (0.03%), एवं अन्य।
- * दमधोट् ऐस कहलाती है - **कार्बन मोनो ऑक्साइड (CO)**
- * वह ऐस जो हीमोग्लोबिन की ऑक्सीजन बंदन क्षमता को कम करती है - **कार्बन मोनो ऑक्साइड (CO)**
- * पॉल्यूशन शब्द की इत्यति किस शब्द से हुई है - **पॉल्यूशनम (लैटिन भाषा)**
- * क्रैकिंग ऐस किसे कहा जाता है - **सल्फर डाई ऑक्साइड (SO₂)**
- * किस ऐसके कारण ताजमहल सर्वाधिक प्रभावित हुआ - **सल्फर डाई ऑक्साइड**
- * मिथेन के उत्सर्जन के ख्योत हैं - **आईभ्रूमि, धान के खेत, कोयले की खदानें, जुगाली करने वाले पशु, समुद्र इत्यादि।**
- * किस ख्योत से सर्वाधिमात्रा में मिथेन का उत्सर्जन होता है - **आईभ्रूमि (76%)**
- * शीशे से मानव शरीर का कौनसा भाग प्रभावित होता है - **प्रस्तराक (तंजिकातंब)**
- * बैंजीन से कौनसा रोग होता है? - **रक्त कैंसर (Leukemia)**
- * स्टोन लेण्ठोसी क्या है? - **अम्ल वर्षा के कारण प्राचीन भवन व मूर्तियों का गलना।**
- * सुपरसोनिक जेट विमानों से निकलने वाली कौनसी ऐस झोजेनशरण में भूमिका निभाती है? - **नाइट्रोजन ऑक्साइड**
- * 'प्रकाश रासायनिक स्मॉग' में ऐसे सम्मिलित हैं - **नाइट्रोजन ऑक्साइड, ओजोन, पैराक्सिल रेसीटाइल - नाइट्रोट्रैट।**

धूल के कणों से होने वाले रोग :-

- ✓) कोयला धूल कण - **एन्थ्राकोसिस रोग**
- ✓) सिलिका - **सिलिकोसिस रोग**
- ✓) ऐस्बेस्टस - **एस्बेस्टोसिस रोग**
- ✓) लौह कण - **सीडिरोसिस रोग**
- ✓) गन्ने की धूल - **बैगासोसिस रोग**
- ✓) कफास की धूल - **बिसिनोसिस रोग**
- ✓) अनाज की धूल - **कृषक फुफ्फुस (Farmer's Lung)**
- ✓) तंबाकू की धूल - **टैबेकोसिस रोग**

Raj Holkar

- * पार्थेनियम (गाजर घास) के पराग कण से कौनसा रोग होता है - **पर्मग्रोग एवं टमा**
- * लाइकेन किस पश्चिमीय प्रदूषण के सूचक हैं - **वायु प्रदूषण**
- * भोपाल में ग्रासदी किस औसत रिसाव के कारण हुई - **मिथाइल आइसोसाइनेट**
- * इटाई - इटाई रोग किसके कारण होता है - **केंडमियम**
- * कॉंग्रेस घास किस घास को कहा जाता है - **पार्थेनियम (गाजर घास)**
- * बाहनों से निकलने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए गाड़ियों में लगा या जाता है - **केटलिक कनर्टर स्क्रबर**
- * Air Pollution Prevention Act and Control Bill। लाया गया था - 1981 में,
- * शीशा रहित पेट्रोल में उचित ऑक्टेन मान प्राप्त करने के लिए मिलाया जाता है - **बैंजीन, टाल्यून एवं जाइलिन**
- * अम्ल वर्षा के जल का pH मान कितना होता है? **pH से कम**

⇒ जल प्रदूषण :-

Raj Holkar

- * जल की गुणवत्ता का निर्धारण किया जाता है - **जैव ऑक्सीजन मांग (BOD), रासायनिक ऑक्सीजन मांग (COD), छुली ऑक्सीजन (DO) तथा pH मान।**
- * भूमिगत जल के प्रमुख प्रदूषक तत्व हैं - **आर्सेनिक एवं फ्लोराइड**
- * कोयला उपोग में संलग्न लोगों में कौनसी बीमारी होती है - **न्यूमानोकोसिस**
- * विज्ञानिक अधिकारी के प्रमुख जैव अपघटनकारी सूक्ष्मजीव हैं - **स्युडोमोनास, क्रेपेसिया, स्युडोमोनास - प्यूटिडा एवं ई० कोली**
- * कपड़ा उपोग में संलग्न लोगों में होने वाला रोग है - **विसिनोसिस**
- * पाने वायर वानी में आर्सेनिक की अधिकतम अनुमेय मात्रा है - **0.05 mg/लीटर**
- * केन्द्रीय गंगा प्राधिकरण का गठन किया गया था - 1985 में, 1995 से **राष्ट्रीय नदी संरक्षण प्राधिकरण**
- * गंगा के तटीय सेंगों में किस प्रदूषक तत्व की सर्वाधिक मात्रा नमी जाती है - **आर्सेनिक**
- * जल में कार्बनिक मौजिकों का मापन किस विधि से किया जाता है - **क्रोमेटोग्राफी**
- * ब्लैक फुट नामक बीमारी का कारण है - **आर्सेनिक की अधिकता**

नोट :- 1

नाइट्रेट की अधिकता - ब्लू बैबी सिड्रॉम रोग
केंडमियम की अधिकता - इटाई - इटाई रोग
आर्सेनिक की अधिकता - ब्लैक फुट रोग
फ्लोराइड की अधिकता - फ्लूरोसिस रोग

जल प्रदूषण नियंत्रण, अधिनियम - 1974 में

⇒ अन्य प्रदूषण:-

- * बायोगेस में किस जैस की मात्रा सर्वाधिक प्रतिशत में पायी जाती है - मीथेन (60%)
- * केन्द्रीय मृदा संरक्षण बोर्ड की स्थापना कब हुई थी - 1953 में
- * लवणीय मृदा के उपचार के लिए प्रयोग किया जाता है - जिप्टम इवं पाइराइट्स
- * ध्वनि तीव्रता की सामान्य मापन इकाई है - डेसिबल
- * ध्वनि की आवृत्ति मार्पी जाती है - हर्ड्ज में
- * मानव की अव्यध्वनि परास है - 20 - 20,000 हर्ड्ज या 20 MHz से 20 K Hz तक
- * औद्योगिक क्षेत्र में स्वीकार्य प्रानक ध्वनि तीव्रता है - 75 डेसिबल
- * आवासीय क्षेत्र में स्वीकार्य प्रानक ध्वनि तीव्रता है - 55 डेसिबल
- * किस ध्वनि तीव्रता पर भ्रवण शक्ति में हास होने लगता है - 90 डेसिबल
- * पराव्यध्वनि (ultrasonic wave) की आवृत्ति होती है - 20,000 हर्ड्ज से अधिक
- * समुद्र की गहराई मापने, सिग्नल देने में दुपी वर्तुओं का पतालगाने में किस ध्वनि तरंगों का प्रयोग किया जाता है - पराव्यध्वनि तरंग
- * ध्वनि का वेग कितना होता है - 332 मीटर/सेकण्ड
- * सामान्य वाताचीत करने में ध्वनि तीव्रता होती है - 60 डेसिबल
- * फुसफुसाहट में ध्वनि तीव्रता होती है - 30 डेसिबल
- * रॉकेट इंजन में ध्वनि तीव्रता होती है - 180 डेसिबल
- * जेट विमानों की जटि को मापा जाता है - मैक्रोडाइमें
- * 'ऐरोट्रिक मेण्टल डिस ऑर्डर' का कारण है - ध्वनि प्रदूषण
- * भारत सरकारने पर्यावरण संरक्षण अधिनियम लागू किया था - 1986 में
- * रेडियो धर्म प्रदूषण के मापने की इकाई है - रोन्टजन
- * एक्स किरणों की खोज किसने की? - विल्हेम रोन्टजन
- * भारत में सर्वाधिक रेडियो धर्म प्रदूषण कहाँ पाया जाता है? - केरल में
- * जीरोडर्मा पिग्मेंटोसम बीमारी होती है - पराकेंगनी विकिरण के कारण
- * नाभिकीय विकिरण अवणात से बचने के लिए ज्ञाया जाता है - पोटेशियम आयोडाइट
- * सौर विकिरण पृथकी पर प्राप्त होती है - विद्युत चुम्बकीय लघु तरंगों के रूप में
- * पृथकी द्वारा पाथिक विकिरण दोडी जाती है - विद्युत चुम्बकीय दीर्घ तरंगों के रूप में

Raj Holkar

- * उपग्रह संचार (Satellite Communication) में किस तरंग का प्रयोग होता है - **माइक्रोवेव**
- * टी.वी. प्रसारण में किन तरंगों का प्रयोग होता है - **रेडियो तरंगों का**
- * कोहरे के आरपार देखने में सहायक तरंग है - **अवरक्त विकिरण**
- * किसकी भ्रेत्र समाधिक है (२, ३ & ४ में से) - १ जामा किए गए की
- * जैव प्रदूषण से फ़ैलने वाले रोग हैं - **रन्थेक्स, बोटुलिज्म, ट्लेग, चेचक, डुमुलरेमिया**

⇒ अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तरः -

- * मोटरकारों में प्रदूषण जांच के समय जांच की जाती है - **सीला एवं कार्बन कण की**
- * अण्टाकॉटिका में ओजोन परत का सर्वाधिक विनाश होता है - **सितम्बर - अक्टूबर माह में**
- * उत्तरी गोलार्द्ध में ओजोन परत का सर्वाधिक विनाश होता है - **मार्च - अप्रैल माह में**
- * मोटरवाहनों से निकलने वाली मुख्य प्रदूषक जौस है - **कार्बन मोजो ऑक्साइड (CO)**
- * अम्ल वर्षा के लिए प्रमुख रूप से जिम्मेदार हैं - **कारखाने**
- * तालाब में तेझे वाले मनुष्य की त्वचा जल जाती है - **क्लोरीन के कारण**
- * ग्लोबल वार्मिंग रोकने के लिए कार्बन टैक्स लगाने का प्रस्ताव रखने वाला विश्व का प्रथम देशाथा - **न्यूजीलैंड**
- * फ्लाई इश का निम्रण होता है - **कोभला के दृष्टि से**
- * अम्लीय वर्षा के लिए जिम्मेदार प्रमुख जौस है - **ग्राहक्रोजन डाईऑक्साइड एवं सल्फर डाईऑक्साइड।**
- * अम्लवर्षा से सर्वाधिक प्रभावित देश हैं - **नार्वे एवं स्वीडन**
- * अम्लवर्षा से सर्वप्रथम प्रभावित/जिस देश में सर्वप्रथम अम्ल वर्षा हुई - **स्वीडन**
- * 'स्टोन कैंसर' का युग्मुख कारण है - **अम्ल वर्षा**
- * ओजोन परत की मोटाई मापने की इकाई है - **डाब्सन**
- * मानव जनित पर्यावरण प्रदूषक कहलाते हैं - **ह्यूमेलिन**
- * किस औप्थोगिक भलवे से सर्वाधिक रासायनिक प्रदूषण होता है - **चमड़ा उद्योग**
- * फ्रिज़ोन एक है - **क्लोरो - फ्लोरो हाइड्रोकार्बन**
- * यैंट उद्योग के श्रमिकों को सामना करना पड़ता है - **सीला प्रदूषण का।**

Raj Holkar

Raj Holkar

(11)

- * मोटर वाहनों के धुए से निकलने वाला सर्वाधिक विश्वास्त प्रदूषक है - लेड (सीए)
- * भिन्नमात्रा रोग का कारण है - पारा (मक्युरी)
- * भारत का बहु पहला राज्य जिसने प्लास्टिक थैंगियों पर पूर्ण रोक लगायी - हिमाचल प्रदेश
- * किस देश में सर्वाधिक अम्लवर्षा होती है - नार्वे
- * नागिकीय विकिरण द्वारा सर्वप्रथम प्रभावित होने वाला भानव अंग है - अस्थिमज्जा (बोनमेरो)
- * अखबार में कौनसा विषेना तत्व होता है - लेड (सीए)
- * किस बृस को 'पारिस्थितिकी आतंकवादी' कहा जाता है - सफेदा
- * परओक्सी एसीटिल नाइट्रोइट (PAN) प्रदूषक है - कायु प्रदूषक
- * धुए से अंगों में जलन किसके कारण होती है - नाइट्रिक ऑक्साइड
- * ओजोन कौनसा प्रदूषक है - फ्लोरियक प्रदूषक
- * मृदा प्रदूषण का सबसे महत्वपूर्ण कारक है - रासायनिक

Raj Holkar

⇒ अम्ल वर्षा :-

- * अम्ल वर्षा को सर्वप्रथम ध्रुकाश में लाया था - राबर्ट एड्स रिमर्थ ने
- * अम्ल वर्षा कारक में से :- सल्फर डाई ऑक्साइड (SO_2) एवं नाइट्रोजन के ऑक्साइड.
- * Lake killer कहा जाता है - अम्ल वर्षा

⇒ वैश्विक तापन (Global Warming) :-

Raj Holkar

- * Global Warming शब्द का उपयोग तापमान वृद्धि के लिए सर्वप्रथम किया गया था - वालेश कोएकर
- जलोबल वार्मिंग में :- कार्बन डाई ऑक्साइड, क्लोरोफ्लोरो कार्बन, निथेन, नाइट्रस ऑक्साइड, ओजोन, जलवाष्य

- * पैट्रोलियम आयातों में कमी लाने के लिए किस फैश्चे का उपयोग ~~किया जाएगा~~ प्राप्त करने के लिए विकल्प के रूप में किया जा सकता है? - जेन्ड्रोफा

\Rightarrow सुपोषण (Eutrophication) :-

जल में जैविक एवं अजैविक पोषक तत्वों के सान्दर्भ में वृद्धि सुपोषण कहलाती है।

कारक :- कागज फैक्ट्रियों का अपशिष्ट पदार्थ, कसाईखने का अपशिष्ट पदार्थ,

वाहित जल, मल मूत्र

कारक तत्व :- फास्फोरस

प्रक्रिया :- जल में पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ने से शैवाल इत्यादि की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि हो जाती है। ऐसे तालाब/झील में उपस्थित ऑक्सीजन की अधिकांश मात्रा का उपयोग करलेते हैं। इस कारण जलाशय में जलीय जीवों के लिए ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। एवं जलीय जन्तु ऑक्सीजन के अभाव में मरने लगते हैं।

\Rightarrow जैविक ऑक्सीजन मांग (BOD) :-

Raj Holkar

- * BOD वह ऑक्सीजन मांग है, जो सामान्य ताप पर किसी जल के 1 लीटर भाग को 5 दिन में खुस्त जीवों में उपापचयी किया के लिए आवश्यक होती है।

- * BOD जल प्रदूषण के मानक नियंत्रण का घटक है।

- * सामान्यतः नदियों में BOD का स्तर - 10 mg/Litre होता चाहिए।

- * सुपोषण में वृद्धि से BOD में वृद्धि होती है।

नोट :- जल में घुलित ऑक्सीजन (DO) की मात्रा 4 mg/Litre से कम होने पर जल को दुषित माना जाता है।

Raj Holkar

रासायनिक ऑक्सीजन मांग (COD) :-

- * COD वास्तव में उस कुल ऑक्सीजन का माप है जो जल में उपस्थित कुल कार्बनिक पदार्थों जैव क्षयकारी तथा जैव अक्षयकारी (Biodegradable + Non Biodegradable) के ऑक्सीकरण के लिए आवश्यक है।

In other way :- जल में उपस्थित अकार्बनिक पदार्थों में किया - प्रतिक्रिया हेतु आवश्यक ऑक्सीजन की मात्रा को COD कहते हैं।

- * COD की सहनीय मात्रा 20 mg/Litre है।

नोट :- COD का मान सेव BOD के मान से अधिक होता है।

⇒ जैव सांडण (Bio Magnification) :-

- * पारिस्थितिकी तंत्र की माध्यमिकता में प्रदूषणकारी पदार्थों का सांडण जैव सांडण कहलाता है। जैसे - BHC, DDT, 2,4-D, पारा, एण्डोसल्फन इत्यादि
- * पौधों में प्रयोग किए जाने वाले जहरीले पदार्थ।
- * माध्यमिकता में जहरीले तत्वों की मात्रा/सांडण प्रत्येक पौधा सत्र में बढ़ता जाता है। इसकी सान्दर्भता उच्च उपग्रेडेशन में अधिकतम होती है।

⇒ बायोरिमीडियेशन (Bio-Remediation) :-

- * पर्यावरणीय प्रदूषकों को कम करने के लिए जीवित सूखे जीवों का प्रयोग बायोरिमीडियेशन कहलाता है।

⇒ ईको मार्क (Eco Mark) :- प्रारंभ : 1991 में

प्रारंभकर्ता : भारतीय मानक ब्यूरो (ISI)

Raj Holkar

उद्देश्य : - पर्यावरणीय दृष्टि से अनुकूल उत्पादों को पहचानना

लोगो : मिट्टी का बर्तन

⇒ पारिस्थितिकीय कृषि (Eco-Farming) :-

Raj Holkar

- * भूमि, वन्य प्राणी, फसल, भूत्य पालन, पशु पालन, वन संरक्षण, पोध-आनुवांशिक तथा पारिस्थितिक तंत्र के संतुलन प्रबंध द्वारा पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाकर कृषि करना एवं वर्तमान तथा भावी पर्यावरण के लिए भोजन एवं जीविकोपाजन की व्यवस्था के साथ-साथ उत्पादकता एवं धारूपत्रिक वास को बनाए रखने की पद्धति है। जैसे - Organic farming
- * घटक :- पोधक तत्वों का एकीकृत प्रबंधन, समन्वित कीट प्रबंध, स्थायी जल प्रबंध, फसल कटाई परवती प्रोधोगिकी, सुहृद प्रसार कार्यक्रम, आनुवांशिक विविधता, खरपत बार प्रबंधन आदि।

⇒ कार्बन फुट प्रिंट :-

- * ग्रीन हाउस गैसों के प्रति व्यक्ति या घर्ति औद्योगिक इकाई उत्सर्जन की मात्रा को उस अवित्त या औद्योगिक इकाई का कार्बन फुटप्रिंट कहा जाता है। आमतौर पर इसका प्रयोग CO_2 के उत्सर्जन के संबंध में किया जाता है।
- * कार्बन फुटप्रिंट निकालने के लिए लाइफ साइकल असेसमेंट (LCA) का प्रयोग किया जाता है।

⇒ ओजोन परत क्षरण :-

- * ओजोन ऐस वायुमण्डल की कोनसी परत में पायी जाती है - **समताप मण्डल**
- * कोनसी ऐस सूर्य से आने वाली परावेंगनी किणों को अवशोषित करती है - **ओजोन**
- * ओजोन की सांडता मापने की इकाई है - **डॉबसन यूनिट**

ओजोन क्षरण के कारक :-

क्लोरो फ्लोरो कार्बन, ब्रोमो फ्लोरो कार्बन (हैलोन), कार्बन टेक्स क्लोराइड एवं CFCs

ओजोन क्षय के प्रभाव :-

सोतियाबिन्द, त्वचा कैंसर, रोग प्रतिरोधक क्षमता का हास, पादप उत्पादों की शुणकता एवं उपज में कमी, पादप फ्लैक्टन में कमी, वायु प्रदूषण एवं ग्लोबल वार्मिंग में वृद्धि।

Raj Holkar

⇒ बायोडैस :-

- * बायोडैस, मीथेन, कार्बन डाई ऑक्साइड, हाइड्रोजन एवं हाइड्रोजन सल्फाइड का मिश्रण होती है।
- * बायोडैस के प्रमुख घटक मीथेन (५५-६५%) एवं कार्बन डाई ऑक्साइड (३०-४०%)
- * बायोडैस में थोड़ी मात्रा में - नाइट्रोजन, कार्बन मोनो ऑक्साइड एवं ऑक्सीजन भी से भी पायी जाती हैं।

Raj Holkar

- * सर्वप्रथम जैव विविधता शब्द का प्रयोग किसने किया ? - ई. ओ. विल्सन
- * सर्वाधिक प्रजाति विविधता किस और्गेनिक सेत्र में पायी जाती है ? - भूमध्य रेखीय प्रदेश
- * 'जैव विविधता का भण्डार' उपमा किस और्गेनिक सेत्र को प्रदान की गयी है ? उच्च कटि. वर्षावन
- * 'National Bio-Diversity Action Plan' कब शुरू किया गया ? - 2006 में
- * संसार के किस देश में सर्वाधिक जैव विविधता वाले घन पार जाते हैं ? - ब्राजील
- * बैश्वक जैव विविधता का कितना प्रतिशत भाग भारत में पाया जाता है ? - 7.5 - 8 %.
- * जैव विविधता संधि कब से शुरू हुई (प्रभावी हुई) - 29 दिसंबर, 1993
- * सार्जैसो सागर कहाँ स्थित है ? - उत्तरी अटलांटिक महासागर में।

⇒ जैव विविधता का मानचिह्निकरण :-

- * जैव विविधता मानचिह्निकरण किया जाता है - 'वर्ल्ड ऐप' नामक सॉफ्टवेयर की सहायता से।
- * वर्ल्ड ऐप सॉफ्टवेयर का निर्माण किया था - पॉल विलियम्स, क्रिस हार्मिंग, डिकेन राइट ने।

⇒ जैव विविधता मापन की विधियाँ :-

i) अत्का विविधता (A-Biodiversity) :- किसी क्षेत्र विशेष में उपस्थित प्रजातियों की कुल संख्या।

ii) बीटा विविधता (B-Biodiversity) :- किसी क्षेत्र विशेष में उपस्थित प्रजातियों की संख्यनात्मक विविधता।

iii) ग्रामा विविधता :- किसी क्षेत्र विशेष में उपस्थित विविध प्रजातियों के मध्य अन्तः सम्बन्ध का लान।

⇒ जैव विविधता के स्तर पर क्षेत्र विभाजन :-

Raj Holkar

- a) अत्यधिक जैव विविधता वाले क्षेत्र : i) उच्च कटि. वर्षावन ii) प्रवाल ज़िला
- b) अधिक जैव विविधता वाले क्षेत्र : - i) पश्चिमी थूरौप ii) मानसूनी प्रदेश
- c) कम जैव विविधता वाले प्रदेश : - i) उपध्रुवीय क्षेत्र ii) मरुस्थलीय प्रदेश
- d) निम्न जैव विविधता वाले क्षेत्र : - उत्तरी एवं दक्षिणी छुकीय प्रदेश

⇒ भारतीय जैव विविधता का विभाजन :-

- ④ मलायन जैव विविधता - पूर्वी हिमालय की घाटियों एवं समुद्र तटीय क्षेत्रों में,
- ⑤ इथोपियन जैव विविधता - राजस्थान एवं उसके आसपास का मरुस्थलीय क्षेत्र,
- ⑥ यूरोपीयन जैव विविधता - उच्च हिमालयी क्षेत्रों में
- ⑦ भारतीय जैव विविधता - प्रायडीपीय पठारी भाग एवं मैदानी भाग।

⇒ जैव विविधता संवेदनशील स्थल (Hotspot) :-

Raj Holkar

- * हॉट स्पॉट या संवेदनशील स्थल का सर्वप्रथम प्रयोग किया - **नार्मन भायर्स क्या है Hotspot?**

यह एक ऐसा भौगोलिक क्षेत्र है जिसकी जैव विविधता को मानव से खतरा उत्पन्न हो रहा है। यह ऐसा क्षेत्र होता है जहाँ कम से कम स्थानीय संवहनीय पादपों के 0.5% अथवा 1500 प्रजातियों उपस्थित हो एवं उस क्षेत्र में प्राथमिक बनस्पति का लगभग 70% हास हो गया हो।

- * जैव विविधता की संपत्ति के मामले में भारत, विश्व में कैनसे स्थान पर है - 10वें
- * जैव विविधता संपत्ति में भारत का एशिया में स्थान है - 4th, चौथा
- * भारत में विश्व की कितने प्रतिशत ~~जुक्सें~~ जैव विविधता उपलब्ध है - 7.5-8%
- * संसार की समस्त जात पादप प्रजातियों का कितना प्रतिशत भारत में है - 17.8%.
- * संसार की समस्त जात जन्तु प्रजाति का कितना प्रतिशत भारत में है - 7.29%.
- * 'Hope spot' का संबंध किससे है - ये महासागरों के जैव विविधता संपत्ति क्षेत्र हैं जिन्हें संरक्षित किया जा रहा है

* 'मिशन ब्लू' का संबंध किससे है - मिशन ब्लू के अंतर्गत महासागरों के जैव विविधता संपत्ति क्षेत्रों को Hope spot के रूप में संरक्षित किया जा रहा है

Raj Holkar

- * भारत में पायी जाने वाली पार्थेनियम (गाजर धारा) मूल रूप से संबंध रखती है - **- संकुम्त राज्य अमेरिका से**
- * भारत में पायी जाने वाली 'लेप्ट्रान' बनस्पति, मूल रूप से संबंध रखती है - **मैक्सिको से**
- * सफेद (यूकेलिष्टस) वृक्ष कहाँ का मूल वृक्ष है? - **ऑस्ट्रेलिया**

→ भारत के Hot spot :-

- i) पूर्वी हिमालय :- नेपाल, भूटान एवं उत्तर पूर्वी भारतीय हिमालयी सेत्र शामिल
- ii) पश्चिमी घाट :- भारत का पश्चिमी घाट एवं श्रीलंका तक विस्तृत
- iii) इण्डो-बम्बा :- पूर्वी भारत का अण्डमान निकोबार द्वीप समूह, दक्षिण चीन का ~~अमेरिका~~ सेत्र, म्यांमार, थाइलैण्ड, कंबोडिया, लाओस एवं
- iv) सुण्डलैण्ड :- ग्रेट निकोबार द्वीप समूह।

Raj Holkar

⇒ जैव विविधता संरक्षण :-

- (a) स्वस्थाने/स्थानिक संरक्षण (In-situ) :- जब जीव एवं वनस्पति को उनके वास स्थान पर ही संरक्षण प्रदान किया जाता है।
शामिल :- राष्ट्रीय उद्यान, वन्य जीव अन्यारण्य, जैव मण्डलीय सेत्र।
- (b) अन्यत्र/परस्थाने संरक्षण (Ex-situ) :- जब जीव या वनस्पति को उनके वास से निकालकर एवं दूसरे स्थान पहुँचाकर संरक्षण प्रदान किया जाता है।
शामिल :- वनस्पति उद्यान (Botanical garden), कृत्रिम उद्यान एवं कृत्रिम ग्रीन हाउस आदि का निर्माण।
- Notable

Raj Holkar

- * जैव विविधता के विनाश का सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारण - प्राकृतिक आवास का नाश
- * Hot spot की क्षेत्रधारणा के प्रतिपादक कौन है? - नामनि मायस्टर
- * विलुप्त जीव 'डोडो' पश्चि का संबंध किस देश से है - मॉरीशस
- * ~~विलुप्त~~ जीव 'लाल पाण्डा' का संबंध किस देश से है - चीन
- * भारत में 'चन्दन' कहाँ बन्युतायत में पाया जाता है - कर्नाटक व दक्षिण भारत
- * 'कल्प वृक्ष' की उपमा किस वृक्ष की दी गयी है - नारियल
- * देश के किस भाग की 'जैव विविधता का डार' कहा जाता है - पूर्वीतिर भारत
- * 'बॉस' क्या है? - ~~एक~~ वास का प्रकार
- * उड़न द्विपक्ती (झेंको) भारत में कहाँ पायी जाती है? - पश्चिमी घाट में
- * 'थामिन (नाचने वाले मृग)' कहाँ पाए जाते हैं - लोकटक झील के पास (मणिपुर, के केबुल - लामजाड़ी उद्यान में)

⇒ भारत के प्रमुख राष्ट्रीय उधानः-

जम्मू कश्मीरः

- i) दाचीग्राम - हंगुल का एकमात्र निवास स्थल।
- ii) सलीम अली
- iii) हेमिस हाई

हिमाचल प्रदेशः

- i) ग्रेट हिमालय
- ii) पिनधारी
- iii) खिरगंगा

i) जिम कार्बन्ट - भारत का सबसे पहला राष्ट्रीय उधान

उत्तराखण्डः

- ii) नंदा देवी
- iii) राजा जी - बाघ, तेंदुआ, हाथियों के लिए प्रसिद्ध
- iv) फूलों की घाटी

हरियाणा :-

सुल्तानपुर

Raj Holkar

i) रणथम्भोर

राजस्थानः

ii) सरिस्का

iii) मठ उधान

iv) मुकुन्डा हिल्स

v) केवलादेव - साइबेरियन सारख के लिए प्रसिद्ध

i) गिर वन - एशियाई शेरों के लिए प्रसिद्ध

गुजरातः

ii) भैरवीन उधान

iii) ब्लैकबक

महाराष्ट्रः

i) पैंच

ii) नवेंगांव

iii) चांदोली

Raj Holkar

गोवा :- महावीर

i) बांदीपुर - हाथियों के लिए प्रसिद्ध।

कर्नाटकः

ii) राजीव गांधी

iii) कुडेमुख

iv) बन्नेरघट्टा

दक्षिण गढ़ः :- i) इंडावती

ii) कंगोरधारी - महत्वपूर्ण पश्चि सेत्र

कैरल :- i) इरावीकुलम ii) मथिकेहटन
 iii) पेरियार - भोक्ने वाले हिरण पाए जाते हैं।
 iv) साइलैंट वैली

तमिलनाडु :- i) अन्नामलाई (इंदिरा गांधी) ii) पालनी पटाड़ी
 iii) मन्तार मेरीन

तेलंगाना :- i) कासु बस्तानन्द रेडी ii) मुगावानी

आन्ध्र प्रदेश :- i) पार्वीकोड़ा ii) राजीव गांधी

ओडीसा :- i) अभिरकनिका ii) सिमलीपाल

प. बंगाल :- i) बुक्सा ii) नेओराघाटी iii) सुन्दरवन चूलदापारा

बिहार :- क्लाउडेड लेपड़ ✓

मिजोरम :- फर्गंपुई नीला घर्वत ✓

Raj Holkar

मणिपुर :- केबुल लामजाओ - विश्व का एकमात्र तैरना हुआ उधान

अरुणाचल प्रदेश :- नामदफा

उत्तरप्रदेश :- i) दुधवा

मध्य प्रदेश :- i) बांधवगढ़ - सर्वाधिक नाथ घनत्व, सफेद शेर
 ii) कान्हा iii) माधव iv) पन्ता v) संजय vi) सतपुजा

बिहार :- वालमीकि ✓

असम :- i) काजीरंगा :- एक सींग वाला गेंडा पाया जाता है।
 ii) मानस - जंगली भेंसा पाया जाता है।
 iii) डिबू साइखोवा iv) नमेरी

Raj Holkar

सिक्किम :- कंचनजंगा

मेघालय :- नोकरेक - भोक्ने वाले हिरण पाए जाते हैं।

अण्डमान एवं निकोबार :- i) कैम्पबेल घाड़ी ii) सेडलफ़िक iii) गालाथिया
 iv) महात्मा गांधी मरीन v) रानी शांसी मरीन
 vi) साउथ नटन :- भारत का सबसे होटा उधान

आंध्रप्रदेश:- कोरिंगा, कोल्लेर, पुलिकट (आंध्र + तमिलनाडु), नागर्जुन - शैलम

दक्षिणांशु:- अचानकमार [दक्षिणांशु + मध्य प्रदेश]

गोवा:- भगवान महारावीर

गुजरात:- गिर, मरीन, नल सरोवर

हिमाचल:- चन्द्रताल, योंग, रेणुका

झारखण्ड:- डालमा, गोतम बुद्ध, पलामू, तोपचंची

कर्नाटक:- घाटप्रभा, चिंचोली

केरल:- इडुक्की, पेरियार, वायनाड

मध्यप्रदेश:- गांधी सागर, पत्ता, रातापानी, राष्ट्रीय चंबल [म० प्र० + ड० प्र० + राजस्थान]

ओडीसा:- भीतरकनिका, चिल्का, गढ़िरमाथा, सिमलीपाल

राजस्थान:- माडन्ट आबू, सरिस्का, जवाहर सागर

तमिलनाडु:- कोडाईकनाल, इंदिश गांधी, व्लैकबक

Raj Holkar

उत्तरप्रदेश:- ओखला पक्षी विहार, पटना पक्षी विहार

मिजोरम:- दंफा

पंजाब:- होलिडे झीप, सजनाखाली, लोथियन झीप

⇒ यूनेस्को द्वारा विश्व प्राकृतिक धरोहर स्थल में शामिल भारतीय प्राकृतिक स्थल :-

- काजीरंगा राष्ट्रीय उद्धान, असम
- कैवलादेव राष्ट्रीय उद्धान, भरतपुर (राजस्थान)
- मानस वन्य जीव अन्यारण्य, असम
- सुन्दरवन राष्ट्रीय उद्धान, पंजाब
- नंदादेवी एवं फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्धान, उत्तराखण्ड
- पश्चिमी घाट
- महान दिग्गलय राष्ट्रीय पार्क, हिमाचल प्रदेश

Raj Holkar

प्रमुख संस्थान एवं मुख्यालयः-

- * भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेश्वरण केन्द्र - कोलकाता
- * भारतीय वन प्रबंधन संस्थान - भोपाल
- * भारतीय वन सर्वेश्वरण केन्द्र - देहरादून
- * भारतीय वन्यजीव अनुसंधान संस्थान - देहरादून
- * भारतीय वन्यजीव संस्थान - देहरादून
- * राष्ट्रीय पर्यावरण शोध संस्थान - नागपुर
- * केन्द्रीय पश्चीम शोध संस्थान - इंजिनियरिंग नगर, बरेली

Raj Holkar

अन्य महत्वपूर्ण तथ्यः-

- * सामाजिक वानिकी कार्यक्रम आरंभ किया गया - 1976
- * हरा सौना की उपमा किसे प्रदान की जाती है - वनों को
- * चिपको आन्दोलन की शुरुआत हुई थी - 9 जनवरी, 1972
- * 'वन' किस सूची का विषय है - समवर्ती सूची
- * जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान (Fossil Park) कहाँ स्थित है? - मध्य प्रदेश
- * भारत में मुख्यतः किस प्रजाति के कपि पाए जाते हैं - गिरिजन
- * काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (असम) प्रसिद्ध है - एक सीढ़िंग वाला मैडग
- * भारत में बाघ परियोजना का शुभारंभ हुआ - 1 अप्रैल, 1973
- * भारत का कौनसा राज्य टाइगर राज्य कहा जाता है - मध्य प्रदेश
- * दुर्लभ सफेद बाघों के लिए प्रसिद्ध है - नन्दन कानन (ओडिशा)
- * गिरधों की मृत्यु का कारण है - डाइब्लोफेनेक युक्त दवाएं (पशु)
- * एशियाई सिंहों का घर कहा जाता है - गिर अव्यारण्य (गुजरात)
- * हाथी के दांतों के श्वेत पदार्थ को कहा जाता है - आइवरी
- * हाथी परियोजना की शुरुआत हुई थी - 7 दिसम्बर, 1992 को झारखण्ड
- * रासायनिक रूप से कस्तूरी क्या है? मिथाइल, ड्राइब्लोरो पैंटा डेकेनाल
- * कस्तूरी की खोज किसने की? एल. एजिका
- * विश्व का सर्वप्रथम राष्ट्रीय उद्यान कौनसा है? - यलोस्ट्रोन पार्क (USA)
- * विश्व का कौनसा छीप कैवल पश्चियों के लिए आरक्षित है - कजिन छीप
- * थामिन परियोजना की शुरुआत हुई - 1977 में मणिपुर से,

- * कद्दुआ संरक्षण परियोजना की शुरुआत की तारीख - 1975 में ओडीसा में ओलिवरिडले प्रजाति के कद्दुएँ को संरक्षण के लिए
- * भारत में ऐंडा परियोजना की शुरुआत हुई - 1987 में।
- * भारत में जैव विविधता संरक्षण अधिनियम लागू हुआ - 2002 में।
- * घटिभाल प्रजनन परियोजना शुरू हुई - 1975 में ओडीसा से।
- * चिपको आन्दोलन के प्रणेता थे - चिपको आन्दोलन की शुरुआत 1972 में उत्तराखण्ड के चमोली जिले से सुन्दरबन बहुगुणा एवं घण्टीप्रसाद भट्ट ने शुरू किया था।
- * रुथिको आन्दोलन :- यह पांडुरंग हेगडे ने चिपको आन्दोलन की तर्ज पर दक्षिण भारत में शुरू किया था।
- * मैत्री आन्दोलन :- यह 1995 में कल्याण सिंह रावत ने उत्तराखण्ड में शुरू किया था। यह उत्तराखण्ड की महिलाओं पर आधारित है।

- * विश्व का सबसे बड़ा पुस्तक है - रिफ्लेशिया Raj Holkar
- * विश्व का सबसे विशाल वृक्ष है - शिकोया
- * सबसे द्वितीय पुस्तक है - बोलिया
- * सर्वोत्तम क्रिकेट बैट बनाया जाता है - सेलिक्स की लकड़ी का
- * हॉकी सामान्यतः बनी होती है - शहतूत की लकड़ी की
- * बंगाल का आतंक कही जाने वाली वनस्पति है - जलकुंभी

⇒ IUCN :- स्थापना : 1948 मुख्यालय : मार्सिन (स्विटजरलैण्ड)

* यह RED Data Book जारी करता है।

⇒ WWF (World Wild Life Fund) : स्थापना : 1962 में

मुख्यालय : ग्लैंड (स्विटजरलैण्ड) चिन्ह :- ज्वाइंट पौड़ी

⇒ UNEP :- स्थापना : 1972 मुख्यालय : नैरोबी (कीनिया)

* जलोबल 500 पुरुषोंकार इसी संस्था द्वारा जारी होता है।

⇒ एमेस्टी इंटरनेशनल :- स्थापना : 1961 मुख्यालय - लंदन

⇒ ग्रीनपीस :- स्थापना : 1971 मुख्यालय - एमस्टरडम

⇒ रेडक्रास :- स्थापना : 1863 मुख्यालय - जैनेवा

⇒ पर्यावरण से जुड़े दिवस :-

- * विश्व बानिकी दिवस - 21 मार्च
- * विश्व जल दिवस - 22 मार्च
- * विश्व स्वास्थ्य दिवस - 7 अप्रैल
- * पृथ्वी दिवस - 22 अप्रैल
- * विश्व ओजोन दिवस - 16 सितंबर
- * विश्व कन्यजीव दिवस - 3 मार्च

- * विश्व जैव विविधता दिवस - 22 प्रई
- * तंबाकू मुक्ति दिवस - 31 मई
- * विश्व पर्यावरण दिवस - 5 जून
- * विश्व जनसंख्या दिवस - 11 जुलाई
- * विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस - 26 नवंबर
- * राष्ट्रीय प्रदुषण रोकथाम दिवस - 2 दिसंबर

Raj Holkar

⇒ पर्यावरण से जुड़े व्यक्तित्व :-

रविंद्र कुमार सिंह - डॉल्फिन मैन ऑफ इंडिया

डॉ. रामदेव मिश्रा - भारत में पारिस्थितिकी के जनक

डॉ. नार्मन बोरलॉग - विश्व में हरित कांति के जन्मदाता

डॉ. सलीम अली - ये प्रसिद्ध पश्चीमियान विशेषज्ञ थे।

मुन्द्रलाल बहुगुणा - चिपको आन्दोलन के जन्मदाता

पांडुरंग हेगडे - कनटिक में चिपको आन्दोलन को एप्पिको आन्दोलन के रूप में नेतृत्व प्रदान किया।

डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन :- भारत में हरित कांति के जनक

डॉ. वर्गीज कुरियन : भारत में श्वेत कांति/दुर्घट कांति के जनक

बाबा आम्बे :- नर्मदा बचाओ अभियान के नेतृत्व कर्ता

मेधा पटेकर :- नर्मदा बचाओ अभियान की नेतृत्व कर्ता

इ. पी. ओडम : पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण विज्ञान के जनक

रिचर्ड सेंट बार्ब बेकर : इन्हें वृक्षमानव कहा जाता है।

कैलाश सांख्यला - टाइगर मैन ऑफ इंडिया

Raj Holkar

⇒ स्टॉकहोम सम्मेलन (1972) :- पर्यावरण सुरक्षा हेतु विश्व व्यापी स्तर पर प्रथम प्रयास था। **इन्डिया** को विश्व पर्यावरण दिवस घोषित किया गया।

⇒ पुश्ची शिखर सम्मेलन (1992) :-

Raj Holkar

* रियो - ई - जेनेरियो में आयोजित

* टिकाऊ विकास के लिए एजेन्डा - 2। स्वीकृत किया गया

* जैव विविधता के विभिन्न पहलू शामिल थे। इसी सम्मेलन में जैव विविधता में संबंधित एक संधि/ समझौते का विकास हुआ जिसे **जैव विविधता पर अनियमित (CBD)** नाम से जाना जाता है।

⇒ जैव विविधता पर अनियमित (CBD) :-

Raj Holkar

* यह अंतर्राष्ट्रीय कानूनी बाध्यता वाली संधि है।

* CBD का सचिवालय **मांट्रियल (कनाडा)** में स्थित है।

* CBD 1993 से क्रियाशील है।

* CBD, प्रति 2 वर्ष में सम्मेलन करवाती है उसे COP (Conference of Parties) के नाम से जाना जाता है। इसमें कुल 193 पार्टीज हैं।

* CBD की संयोगप्रयोगीय विकास का मुख्य निमित्त माना जाता है।

प्रमुख COP सम्मेलन:

* COP-1 :- यह 1994 में बहामास में आयोजित किया गया।

* कार्त्तिकोना प्रोटोकॉल : जैव विविधता से संबंधित,

* जनवरी 2000 में हस्ताक्षर हुए। 2003 से प्रभावी हुआ।

* नेपाल प्रोटोकॉल :- [COP-10], 2010 में सम्पन्न।

* इसमें आईची लक्ष्यों की घोषणा हुई।

नोट :- आईची लक्ष्य जैव विविधता संरक्षण से संबंधित हैं आईची लक्ष्यों की कुल संख्या 20 हैं।

* हैदराबाद सम्मेलन (COP-11) :- ये जैव विविधता संरक्षण से संबंधित हैं। यह 2012 में आयोजित हुआ।

* ट्योंगचोंग सम्मेलन (COP-12) :- यह 2014 में कोरिया में आयोजित हुआ।

* मैक्सिको सम्मेलन (COP-13) :- यह 2016 में मैक्सिको में आयोजित हुआ।

⇒ जलवायु परिवर्तन : अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन :-

⇒ UNFCCC :- United Nations Framework Convention on climate change (UNFCCC) एक अंतर्राष्ट्रीय परिवर्तन संधि है।

* UNFCCC की आधारशिला पृथक् समिट में रखी गयी। स्थापना: 1994

* UNFCCC का मुख्य उद्देश्य कानूनमण्डल में ग्रीन हाउस गैसों के संकेन्द्रण को स्थिर करना था।

* UNFCCC प्रत्येक वर्ष मीटिंग का आयोजन करता है जिसे COP कहते हैं।

जलवायु परिवर्तन से संबंधित सम्मेलन :-

Raj Holkar

* COP-1 (बर्लिन सम्मेलन, 1995) :- UNFCCC का जलवायु परिवर्तन पर यह प्रथम सम्मेलन था, जो 1995 में बर्लिन (जर्मनी) में आयोजित हुआ।

* क्योटो प्रोटोकॉल (COP-3, 1997) :- जलवायु परिवर्तन पर क्योटो प्रोटोकॉल जापान के क्योटो शहर में 1997 में आयोजित किया गया था। - इसमें 150 देशों ने हिस्सा लिया एवं ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के मुद्रे पर वैधानिक सीमा तय की गयी।

- 'Polluters must Pay' की अवधारणा इसी सम्मेलन में उभरी।

- एनेक्स-I देश :- इसमें औद्योगिक देश एवं संक्रमणशील अद्व्यवस्थाएं शामिल हैं। इसमें कुल 41 देश शामिल हैं। ~~अनेक्स-II देश शामिल नहीं हैं।~~

- एनेक्स-II देश :- इसमें विकसित देश शामिल हैं। किन्तु संक्रमणशील अद्व्यवस्थाएं इसमें शामिल नहीं हैं। ये विकसित देश, विकासशील अद्व्यवस्थाओं को सतिपूर्ति की रकम चुकाते हैं।

- नन-एनेक्स देश :- इसमें विकासशील देश शामिल हैं।

नोट :- * क्योटो प्रोटोकॉल संधि वर्ष 2005 से लागू हुई।

* अमेरिका ने इस संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए।

* कनाडा 2012 में इस संधि से पृथक् हो गया।

* भारत एवं चीन इस संधि के एनेक्स-I देशों में शामिल हैं।

* कोयेनहैगेन सम्मेलन :- वर्ष 2009 में COP-15, कोयेनहैगेन समिट डेन्मार्क में आयोजित किया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य 2012 में क्योटो प्रोटोकॉल की अवधि समाप्त होने के बाद एक महत्वाकांक्षी जलवायु समझौते की रूपरेखा तैयार करना था।

* COP-21 (पेरिस सम्मेलन) :-

- * दिसम्बर, 2015 में पेरिस में आयोजित किया गया। इसमें कार्बन उत्सर्जन में कटौती के जरिए वैश्विक तापमान में वृद्धि को 2°C के अन्दर सीमित रखने और 1.5°C के आदर्श लक्ष्य को लेकर एक व्यापक सहमति बनी थी।
- * अक्टूबर, 2016 तक कुल 191 सदस्य देश इस पर हस्ताक्षर कर चुके थे।
- * जून, 2017 में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने **अमेरिका को इस समझौते से बाहर कर लिया।**
- * यह समझौता लागू करने के लिए 2020 को आधार वर्ष घोषित किया गया है।
- * भारत ने इस समझौते की युक्ति 2 अक्टूबर, 2016 में की थी।
- * 2020 तक इसे लागू करने के लिए कम से कम 55 ऐसे देशों के सहमति आवश्यक है जो 55% वैश्विक तापन ऐसों का उत्सर्जन करते हैं।

* COP-22 (मराकेश सम्मेलन) :-

Raj Holkar

- * यह 2 नवंबर 2016 में मराकेश (अफ्रीका) में सम्पन्न हुआ।
- * इस सम्मेलन का मुख्य मुद्दा पेरिस समझौते को लागू करवाना था।

⇒ REDD क्या है?

Reducing Emission from Deforestation and Degradation (REDD) एक ऐसा कार्यक्रम है जो निर्वनीकरण एवं वनों की अवस्था में गिरावट के कारण विकासशील देशों में हो रही कार्बन वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने 2008 से शुरू किया है।

⇒ रियो+20 सम्मेलन:-

- * इसका आयोजन पृथ्वी सम्मेलन के 20 वर्ष बाद भारतीय रियो+डी जेनेरियो में 2012 में किया गया।
- * इसका मुख्य विषय हरित अर्थव्यवस्था एवं सतत विकास था।

Raj Holkar

⇒ ओजोन परत संरक्षण के लिए सम्मेलन :-

- i) विएना समझौता :- 1985 में, ओजोन परत के संरक्षण से संबंधित
- ii) मांट्रियल प्रोटोकॉल : 1987 में, ओजोन परत के संरक्षण से संबंधित

⇒ अन्य अभिसम्पद :-

- ① बेसल कन्वेंशन : 1989 में, खतरनाक अपरिषिद्धों के अन्तर्गत स्थानांतरण एवं निस्तारण। 5 मई, 1992 से लागू
- ② हेलसिंकी कन्वेंशन : 1975 में पहली मीटिंग, 1992 में दूसरी मीटिंग, समुद्री पश्चिमी की सुरक्षा हेतु।
- ③ मिनामात्रा कन्वेंशन : 2013 में, पारा नियंत्रण से संबंधित

विषेषज्ञ धातु एवं प्रभावित अंग

श्वसन तंत्र :- आर्सेनिक, कैडमियम

प्रमुख दांत :- फ्लोराइड

फेफड़ा :- SO_2 , अमोनिया, ओजोन,
 NO_2 , हाइड्रोजन सल्फाइड,
धूलकण, CO एवं अन्य

बड़ी आंत :- सीसा, आर्सेनिक, पारा, कैडमियम

हड्डियाँ :- फ्लोराइड, कैडमियम, सीसा, स्ट्रॉन्शियम

मरिताङ्क :- CO , सीसा, पारा.

थायराइड घंथि :- कोबाल्ट, आयोडीन

हृदय :- CO , सल्फर डाई ऑक्साइड

Raj Holkar

Raj Holkar

- * राष्ट्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान स्थित है - झांसी (उत्तर प्रदेश)
- * केन्द्रीय मरुसेत्र अनुसंधान संस्थान स्थित है - जोधपुर (राजस्थान)

⇒ विश्व के घास के भैंदान :-

प्रेयरी - अमेरिका एवं कनाडा	लानोस - बेनेजुएला एवं कोलंबिया
सेल्वास - अमेरिका बेसिन	पम्पास - अर्जेंटीना
कैम्पोस - ब्राजील	पुस्टाज - हाँगरी
स्टेपी - साइबेरिया एवं मंचुरिया	डाउन्स - ऑस्ट्रेलिया
कैंटरबरी - न्यूजीलैण्ड	पटाना - श्रीलंका
थैंडंग - मलेशिया	वेल्ड - द० अफ्रीका
सबाना - अफ्रीका, एशिया एवं ऑस्ट्रेलिया	

Raj Holkar

- * महोगनी, रोजबुड तथा आबनूस किस बायोम के वृक्ष हैं - विषुवत रेखीय वन
- * विश्व का सर्वाधिक विस्तृत पारिस्थितिक तंत्र माना जाता है - मानसूनी वन
- * साल, सागोन तथा शीशम किस बायोम के वृक्ष हैं - मानसूनी वन बायोम
- * विश्व का कोर्नसा बायोम अन्त एवं दूध का क्रोडस्थल है - शीतोष्ण घास बायोम
- * सेल्वास किस प्रकार के वन हैं - विषुवतीय वर्षा वन
- * काले वन (Black Forest) का स्थित है - जर्मनी में
- * किस वृक्ष को पर्यावरणीय संकट माना जाता है - थ्रेलिट्स
- * 'चैपरल' कहाँ विस्तारित हैं - उत्तरी अफ्रीका
- * किस जीवोम की मृदा भूमीय एवं अल्प खनिज वाली होती है - शंकुधारी वन
- * धूल प्रदूषण रोकने के लिए उपयुक्त वृक्ष हैं? - नीम

Raj Holkar

वन्य जीव संरक्षण परियोजनाएं

(29)

⇒ बाघ परियोजना :-

- * प्रारंभ : 1973 * विश्व की सबसे बड़ी जीव संरक्षण परियोजना।
- * नेतृत्व : कैलाश सांखला * जिस कार्बेट नेशनल पार्क से सुभारंभ।
- * देश का सबसे बड़ा राष्ट्रीय रिजर्व - नागार्जुन - श्रीशेलम
- * M-STYPES :- यह बाघों की निगरानी प्रणाली है।
- * राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की स्थापना : 1973 में।

⇒ गिर सिंह परियोजना :-

- * प्रारंभ - 1972 * एशियाई शेरों का घर - गिर अन्धारण्य, झुनागढ़ (गुजरात)

⇒ हाथी परियोजना :-

- * प्रारंभ - 1992 में म्हारखण्ड के सिंहभूम जिले से।

Raj Holkar

⇒ कदुआ संरक्षण :-

- * प्रारंभ - 1975 में ओडीशा के अंतरकनिका से। अमेलिव रिडले नामक कदुए की प्रजाति को संरक्षण देने के लिए। अमेलिव रिडले भूलतः द० अमेरिकी प्रजाति।

⇒ भैंडा परियोजना :-

- * प्रारंभ : 1987 में। * एक सींग वाले भैंडे को संरक्षण देने के लिए।
- * एक सींग वाले भैंडे की शरणस्थली : मानस, काजीरंगा एवं जलदापारा

⇒ हँगुल परियोजना :-

- * प्रारंभ : 1970 में। * हँगुल, मध्य एशियाई लोल हिरण की ३प्रप्तजाति है।
- * जम्मू - कश्मीर का दाचीश्वाम राष्ट्रीय उद्यान एक मात्र निवास स्थल।

Raj Holkar

⇒ गिरद संरक्षण परियोजना :-

- * प्रारंभ : 2006 से
- * गिरदों की मृत्यु का कारण 'Diclofenac' नामक दवा है जो पशुओं को दी जाती है।

⇒ हिम तेंदुआ परियोजना :-

- * प्रारंभ : 2009
- * जम्मू कश्मीर में इसके संरक्षण के लिए Wwf द्वारा 'प्रोजेक्ट २०१५' चलाया जा रहा है।

⇒ पर्यावरण से जुड़े महत्वपूर्ण भारतीय अधिनियम :-

- * भारत की प्रथम बन नीति का निर्माण हुआ - 1894
- * स्वतंत्र भारत की प्रथम बन नीति का निर्माण हुआ - 1952, Revised in 1988
- * राष्ट्रीय वनीकरण एवं पारि-विकास बोर्ड की स्थापना - 1992
- * भारतीय प्राणी सर्वेसान की स्थापना हुई - 1916
- * जैव विविधता अधिनियम लागू हुआ - 2002 [यह 2002 से लागू हुआ]
- * रामसर सम्मेलन (ईरान) - 1971 :-

यह नम भूमि (Wet Land) के संरक्षण के लिए एक अन्तरसरकारी संधि है।

भारत में रामसर आई भूमियाँ :-

- * भारत में कुल रामसर आई भूमियाँ - 26
- * विश्व की सबसे बड़ी आई भूमि - कर्वीन ऑफ मॉड (कनाट)
- * भारत की सबसे बड़ी आई भूमि - चिल्का झील
- * भारत की सबसे द्वाटी आई भूमि - घन्डताल
- * आई भूमि संरक्षण एवं प्रबंधन नियम - 2010

Raj Holkar

⇒ World Wide Fund for Nature : India की स्थापना - 1969

वानिकी से संबंधित संगठन एवं अनुसंधान :-

Raj Holkar

- * भारतीय कृषजीव संस्थान, देहरादून
- * वन अनुसंधान संस्थान - देहरादून
- * वर्षीय वन अनुसंधान संस्थान - जोरदार
- * वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर
- * वन उत्पादकता केन्द्र, - रीची
- * भारतीय वन प्रबंधन संस्थान - भोपाल

नोट :- पर्यावरण की सुरक्षा मूल कर्तव्य हैं इसका उल्लेख अनुच्छेद - 51 A में किया गया है जो संविधान संशोधन के 42वें संविधान संशोधन द्वारा जोड़ा गया।

- * जल संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम - 1974
- * वायु संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम - 1981
- * वन संरक्षण अधिनियम - 1980 * पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम - 1986
- * कृषि जीव सुरक्षा अधिनियम - 1972

आगामी परीक्षा की शुभकामनाओं के साथ धन्यवाद।

फेसबुक पर जुड़ने के लिए लाइक करें-
@therisingsunbyrajholkar



राज होल्कर

Contact: +919650697922